SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2024-25

Worksheet-12

NAME:_____
CLASS 7 DIV :_____
Prepared By: Suman Yadav
Prepared date -5/12/2024

SUBJECT: HINDI
Ls.29,30 कहानी लेखन ,डायरी लेखन
Given date -

किसी घटना का मनोरंजन से भरा चित्रण करना ही कहानी लेखन कहलाता है |

कहानी-लेखन में निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए

इन सब बातों का ध्यान रखने पर कहानी की सजीवता एवं रोचकता बनी रहेगी।

कहानी का आरंभ सरल एवं सहज भाषा में होना चाहिए, जो सरलता से बोधगम्य हो।

कहानी की भाषा सरल, सजीव एवं रोचक होनी चाहिए जिससे सुनने वाला उसमें बँधकर रह जाए।

कहानी सही घटनाक्रम में कही या लिखी जानी चाहिए।

कहानी उद्देश्यपूर्ण एवं शिक्षाप्रद होनी चाहिए।

कहानी कहते या लिखते समय फालतू के विवरण से बचना चाहिए, ताकि भटकाव पैदा न हो।

उदाहरण - कहानी – बुद्धि ही बल है

प्राचीन समय की बात है कि जंगल में एक पेड़ पर कौए का जोड़ा रहता था। दोनों कौए अपने बच्चों के साथ आनंदपूर्वक रह रहे थे। उसी पेड़ की बिल में एक काला साँप भी रहता था। एक दिन जब दोनों कौए दाना चुगने कहीं गए। कौए जब अपने घोंसले में वापिस आए तो अपने बच्चों को न पाकर बहुत दु:खी हुए। उन्होंने अपने बच्चों के पंख साँप की बिल में देखे। कौआ सर्प के पास गया और बोला- हे सर्प देवता, हम आपके पड़ोसी हैं। पड़ोसियों पर तो दया रखनी चाहिए थी। साँप ने जब कौए की बात को सुना तो गुस्से के मारे फन उठाकर फुफकारने लगा। कौए ने सोचा कि इस समय यहाँ रुकना ठीक नहीं। वह तुरंत उठकर अपने घोंसले में जा बैठा।

दोनों कौओं ने सोचा कि या तो हम यहाँ से चले जाएँ या इस सर्प को जान से मार दें। सर्प का हमारे साथ रहना ठीक नहीं। वे सर्प को समाप्त करने के लिए सोचने लगे। कुछ समय के पश्चात् उन्हें एक उपाय सूझा। एक कौआ पेड़ से उड़ा और पास के तालाब पर गया। वहाँ एक राजकुमार स्नान कर रहा था। उसने सोने की जंजीर कपड़ों के ऊपर रखी थी। कौए ने उस जंजीर को उठा लिया और उड़ चला। राजकुमार के अंगरक्षकों ने कौए का पीछा किया। कौए ने जल्दी से उस जंजीर को साँप की बिल के ऊपर रख दिया। अंगरक्षक वृक्ष पर चढ़कर जंजीर उठाने लगे। वहाँ पर बैठे हुए साँप को देखकर उन्होंने तलवार से उसको मार दिया। इस प्रकार चतुर कौए ने अपनी बुद्धि के बल से अपने से अधिक शक्तिशाली शत्रु को समाप्त कर दिया और अब वे दोनों आराम से रहने लगे।

शिक्षा: बुद्धि बल से बड़ी समस्याओं को भी सुलझाया जा सकता है।

डायरी लेखन

डायरी का अर्थ है— दैनिक विवरण लिखना। हर दिन की प्रिया प्रिया भावनाओं घटनाओं और सोच को अपने शब्दों में लिखना ही 'डायरी लेखन' है।

विद्यालय संदर्भ में डायरी लेखन करते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए।

१)प्रारूप का पालन करते हुए सरल भाषा और छोटे वाक्य लिखने चाहिए ।

२)तथ्य भावनात्मक, सकारात्मक एवं सत्य हों।

३)विराम चिन्हो के माध्यम से भावाभिव्यक्ति होनी चाहिए।

४) शब्दों के सीमा ८०से १०० हो सकती है।

डायरी लेखन का प्रारूप

डायरी में तिथि, समय, दिन, स्थान का लिखा जाना जरूरी है।

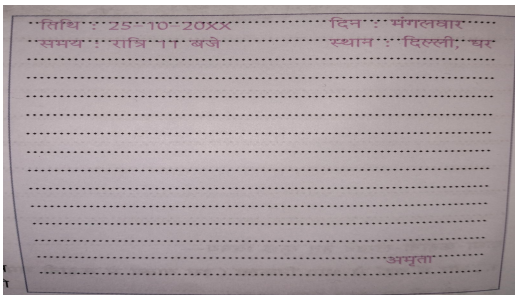

विद्यालय में हुए अपने पहले दिन के अनुभव को डायरी में लिखिए -

तिथि : 28-11-20XX　　दिन : मंगलवार

समय : रात के 9 बजे　　स्थान : दिल्ली

इतना बड़ा स्कूल मैंने सोचा भी न था। मैं किसी को भी नहीं जानता था। क्लास टीचर ने मेरा परिचय दिया। मुझे आगे बैठाया। सब मुझे घूर घूरकर देख रहे थे। मुझे बहुत अजीब लग रहा था। जब मैडम गईं तो सबने मुझे घेर लिया और मेरे पिछले स्कूल के बारे में पूछने लगे। आज ही मेरे दो दोस्त बन गए। उन्होंने ही मुझे पूरा स्कूल दिखाया। मेरा मन यहाँ लग जाएगा क्योंकि यहाँ 'स्पोर्ट्स' बहुत हैं और मुझे खेलना अच्छा लगता है। पापा-मम्मी मुझे डॉक्टर बनाना चाहते हैं, उन्हें कैसे समझाऊँ कि मुझे बड़ा होकर क्रिकेटर बनना है। पता नहीं क्या होगा। बहुत घबराहट होती है यह सोचकर कि डॉक्टर न बन पाया तो क्या होगा, पर तभी खयाल आता है कि मैं मेहनती हूँ, खेल और पढ़ाई दोनों साथ कर सकता हूँ।

निम्नलिखित दिए विषयों पर कहानी लेखन कीजिए।

१) जब मैं घर में अकेला था।

२) मुझे मां पर बहुत प्यार आया।

३) मैंने सपने में देखा कि (काल्पनिक कहानी लिखें)

४)किसी पर्वतीय प्रदेश की यात्रा पर डायरी लिखिए ।

५)अपने जन्मदिन के अनुभव पर डायरी लिखिए ।

SUB.TEACHER　　HOD　　CO ORDINATOR　　PRINCIPAL